इलाहाबाद केंद्र : शतरंज कार्यशाला एवं शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन सम्पन्न

महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा के क्षेत्रीय केंद्र इलाहाबाद में केंद्र प्रभारी डॉ. विधु खरे दास एवं सहायक निदेशक डॉ. प्रकाश त्रिपाठी के मार्गदर्शन में दिनांक : 23/10/2018 से 26/10/2018 तक **स्पोर्ट्स क्लब क्षेत्रीय केंद्र इलाहाबाद** एवं **इलाहाबाद शतरंज एसोसिएशन** के सहयोग से शतरंज कार्यशाला और शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन केंद्र के सत्यप्रकाश मिश्र सभागार में किया गया। उक्त प्रतियोगिता में एम.ए. हिन्दी, मास्टर ऑफ सोसल वर्क, बैचलर ऑफ सोसल वर्क तथा विभिन्न डिप्लोमा में अध्यनरत छात्र- छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया जिसमें- अपर्णा गोरे, अरविंद कुमार, जितेंद्र पाण्डेय, मुकुल मिश्र, धर्मेंद्र कुमार, उर्वशी गुप्ता, आशिया, नागेंद्र कुमार, अंजलि, कृष्ण मोहन, जगदीश प्रसाद, ज्ञानदेव तिवारी, नम्रता दिनकर, अनिल कुमार इत्यादि प्रतिभागियों ने शतरंज कार्यशाला और शतरंज प्रतियोगिता में भाग लिया। शतरंज कार्यशाला और शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन **अंतर्राष्ट्रीय शतरंज खिलाड़ी और प्रशिक्षक श्री मयंक श्रीवास्तव के दिशा निर्देशन** में सम्पन्न हुआ |

शतरंज प्रतियोगीता में भाग लेते विद्यार्थी

यह शतरंज कार्यशाला वर्ल्ड चेस फेडरेशन के नियमों पर आधारित थी। प्रशिक्षक श्री मयंक श्रीवास्तव और श्री पंकज पाण्डेय द्वारा सर्व प्रथम प्रतिभागियों को शतरंज के सूक्ष्म और गूढ़ नियमों की जानकारी जैसे चाल को कैसे लिखे और शतरंज में प्रयोग होने वाली घड़ी का उपयोग कैसे करे, 23 अक्तूबर से 25 अक्तूबर तक शतरंज के अंतरराष्ट्रीय नियमों, चाल को लिखने और घड़ी का सही प्रयोग इत्यादि का प्रशिक्षण दिया गया। 26 अक्तूबर को शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 05 चक्रों के समाप्ति के बाद इस खेल की हर चाल को कैसे लिखा गया है, लिखने के बाद खेल कैसे खेला गया इसका विश्लेषण किया गया तत्पश्चात बेहतर प्रदर्शन के लिए छ: प्रतियोगियों को पुरस्कार के लिए चुना गया। प्रतियोगिता में पुरस्कारों का निर्णय इलाहाबाद शतरंज एसोसिएशन के सदस्य और अंतर्राष्ट्रीय शतरंज खिलाड़ी श्री मयंक श्रीवास्तव और श्री पंकज कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया। अमन त्रिपाठी 5.0 अंक लेकर प्रथम स्थान प्राप्त किए। आकाश सिंह, प्रभात कुमार, अपर्णा गोरे, मदन मोहन कुमार और स्वामीनाथ ने द्वितीय स्थान प्राप्त किए। नागेंद्र कुमार और अंजली कुमारी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। शतरंज दो खिलाड़ियों के बीच खेला जाने वाला एक बौद्धिक खेल है। माना जाता है कि इस खेल का आविष्कार भारत में हुआ है। शतरंज कार्यशाला और शतरंज प्रतियोगिता का संयोजन अतिथि प्राध्यापक डॉ. कमलेश यादव द्वारा किया गया।

शतरंज प्रतियोगीता में भाग लेते विद्यार्थी